Name of the College - APSM College Barauni
Name -> Dr. Rajesh Kumar Suman
Deptt -> Economics
Designation -> [GT]

Date -> 17.4.2021
Unit -> 01

Class - B.A Part - I [H]
Paper -> 1st

Name of the topic -> Cost of production]

=> उत्पादन लागत -> किसी वस्तु के उत्पादन के दौरान उस पर उस पर खर्च की गयी कुल राशि को ही लागत कहा जाता है। इसमें कई मुख्य होते है जैसे - कच्चे माल पर खर्च, मशीन चलाने की खर्च, कर्मचारी की तनख्वाह आदि। इन सभी के खर्च को मिलाकर जो राशि होती है उसे उत्पादन लागत कहा जाता है।

=> लागत फलन वस्तु की उत्पादन लागत और उत्पादन की मात्रा के सम्बन्ध को अभिव्यक्त करता है। लागत फलन के दो मुख्य आधार है।

(i) लागत उत्पादन सबंध अर्थात उत्पादन फलन
(ii) उत्पादन के साधनों की कीमतें

=> किसी फर्म द्वारा उत्पादन में किये गये कुल मुद्रा व्यय को मौद्रिक लागत कहते है। मुद्रा लागत दो प्रकार की होती है।

(i) स्पष्ट लागतें [Explicit Costs]
(ii) अस्पष्ट लागतें [Implicit Costs]

(i) स्पष्ट लागतें -> वे लागतें है जो उत्पादक द्वारा उत्पत्ति के अनेक साधनों को एकत्रित करने में प्रत्यक्ष रूप से व्यय की जाती है जैसे -> कच्चे माल पर व्यय, भूमि या इमारतों का लगान, मजदूरी, ब्याज भुगतान, परिवहन लागत आदि।

Scanned with CamScanner

(ii) अस्पष्ट लागत → अस्पष्ट लागतों में उत्पादक के वे व्यय सम्मिलित होते हैं जिनका उत्पादक को प्रत्यक्ष रूप से भुगतान नहीं करना पड़ता जैसे → उत्पादक द्वारा स्वयं की गई सेवा की मजदूरी, स्वयं की पूंजी पर ब्याज उत्पादन में प्रयुक्त स्वयं की बिल्डिंग का किराया।

→ मार्शल के अनुसार एक वस्तु के उत्पादन में समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा किया गया प्रयत्न एवं त्याग उत्पादन की वास्तविक लागत है।

→ किसी वस्तु की अवसर लागत वह सर्वश्रेष्ठ विकल्प है जिसका उत्पादन इन्हीं उत्पत्ति साधनों द्वारा इसी लागत पर उस वस्तु के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।

→ अल्पकाल में कुछ साधन स्थिर होते हैं तथा कुछ परिवर्तनशील, इसलिए अल्पकाल की कुल लागत में स्थिर लागत तथा परिवर्तनशील लागत दोनों सम्मिलित होती है। 1

→ अल्पकालीन कुल लागत :-

(i) कुल स्थिर लागत

(ii) कुल परिवर्तन लागत।

→ स्थिर लागतों को पूरक लागत तथा परिवर्तनशील लागतों को प्रमुख लागत भी कहा जाता है।

→ अल्पकाल में कुल परिवर्तनशील लागत उत्पादन की एक मात्रा का फलन होती है।

$$TVC = f(q)$$

2 दीर्घकाल में कोई साधन स्थिर नहीं होगा, सभी साधन परिवर्तनशील बन जाते हैं, इस प्रकार से दीर्घकाल में सभी लागतें परिवर्तनशील लागतें होती हैं।

Scanned with CamScanner